

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ विष्णुसहस्रनामलि ॥  
 ॥ ॐ ॥ शुक्लांबरधरं विष्णुं ॥ शशिवर्णं चतुर्भुजं ॥ प्रसन्न  
 वदनं ध्याये ॥ सर्वविघ्नोपशान्तये ॥ १ ॥ ब्रह्मलोका  
 दिह प्राप्तं ॥ नारदं नगवत्स्थितं ॥ दृष्ट्वा नत्वा सनायां  
 ते ॥ पप्रच्छुर्मुनि योः मुदा ॥ २ ॥ नैमिषे नियमद्वये क  
 षयः शौनकादयः ॥ देवर्षिभ्यः संगम्य ॥ पप्रच्छु कि  
 दमद्रिता ॥ ३ ॥ **ऋषय ऊकः** ॥ ब्रह्मन्केन प्रकारे  
 ण ॥ सर्वपापात्प्रमुच्यते ॥ विनादानेन तपसा ॥ वि

।। श्रीगणेशाय नमः ।। श्रीगणेशाय नमः ।।